# दूसरा भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन

## प्रिलिम्स के लिये:

भारत-कैरिकॉम, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, मिशन लाइफ, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जन औषधि केंद्र, लघु द्वीपीय विकासशील देश (SIDS), कैरेबियन सागर, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA), दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिये भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी कोष, 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' (OSOWOG), राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM)।

## मेन्स के लिये:

भारत-कैरिकॉम संबंधों को मजबूत करना और इसका महत्त्व।

स्रोत: पी.आई.बी

## चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ग्रेनाडा के प्रधानमंत्री, जो वर्तमान में कैरीकॉम के अध्यक्ष हैं, **जॉर्जटाउन, गुयाना में दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन** की अध्यक्षता की।

- पहला **भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन 2019 में न्यूयॉर्क में** आयोजित किया गया था।

## दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की विशेषताएँ क्या हैं?

- **सहयोग के 7 स्तंभ:** भारत के प्रधानमंत्री ने भारत और **'कैरिकॉम'** के बीच **संबंधों को मज़बूत करने** के लिये **सात प्रमुख स्तंभों का प्रस्ताव रखा।** ये स्तंभ हैं:
  - **C: क्षमता निर्माण: भारत** ने अगले पाँच वर्षों में कैरिकॉम देशों के लिये अतिरिक्त **1000 ITEC (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग)** स्लॉट की घोषणा की।
  - **A: कृषि और खाद्य सुरक्षा: भारत ने कृषि, विशेषकर ड्रोन,** डिजिटल कृषि और कृषि मशीनीकरण जैसी प्रौद्योगिकी के उपयोग में अपने अनुभव साझा किये।
  - **R: नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन: भारत ने** अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन **और** मिशन LiFE जैसी वैश्विक पहलों पर अधिक सहयोग का आह्वान किया।
  - **I: नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यापार:** प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिये भारत के **डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे** और अन्य तकनीकी मॉडल की पेशकश की।
  - **C: क्रिकेट और संस्कृति:** भारत ने कैरीकॉम देशों में **"भारतीय संस्कृति दिवस" आयोजित करने** और क्षेत्र की युवा महिला क्रिकेटरों को **क्रिकेट प्रशिक्षण प्रदान** करने का प्रस्ताव रखा।
  - **O: महासागर अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा:** भारत ने कैरेबियन सागर में **समुद्री क्षेत्र मानचित्रण और जल विज्ञान** पर सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की।
  - **M: चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल:** भारत ने किफायती स्वास्थ्य देखभाल के लिये अपना मॉडल पेश किया, **जिसमें** जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जेनेरिक दवाओं का प्रावधान और स्वास्थ्य के लिये योग को बढ़ावा देना शामिल है।
- **जलवायु न्याय: कैरिकॉम नेताओं ने लघु द्वीपीय विकासशील राज्यों (SIDS)** के लिये **जलवायु न्याय को** बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व की सराहना की।
  - SIDS वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के **1% से भी कम के लिये ज़िम्मेदार** हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित हैं।
  - जलवायु न्याय का अर्थ है विभिन्न समुदायों, विशेषकर **गरीब, हाशिये पर पड़े और कमज़ोर समूहों पर जलवायु परिवर्तन के असमान और असंगत प्रभावों को** संबोधित करना है।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुरस्कार

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी यात्रा के दौरान **गुयाना और बारबाडोस के शीर्ष पुरस्कार** प्राप्त हुए।
  - गुयाना को **"ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस"** और बारबाडोस को **"ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम" से** सम्मानित किया गया।
- हाल ही में, **डोमनिका** ने प्रधानमंत्री मोदी के लिये अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, **"डोमनिका अवार्ड ऑफ ऑनर"** की भी घोषणा की।
- प्रधानमंत्री मोदी के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों की सूची में अब **19 प्रतिष्ठित सम्मान शामिल हो गए हैं।**
  - उल्लेखनीय पुरस्कारों में **रूस का "ऑर्डर ऑफ सेंट एँड्रयू द एपोस्टल"** और **अमेरिका का "लीज़न ऑफ मेरिट" शामिल** हैं।

## कैरेबियाई समुदाय (CARICOM) क्या है?

- **कैरीकॉम के बारे में:** कैरीकॉम 21 देशों का एक समूह है**: 15 सदस्य देश और 6 सहयोगी सदस्य** जिनमें द्वीपीय देश और सूरीनाम तथा गुयाना जैसे **मुख्य भूमि क्षेत्र** शामिल हैं।
  - कैरिकॉम की स्थापना **वर्ष 1973 में** चार संस्थापक सदस्यों - **बारबाडोस, गुयाना, जमैका और त्रिनिदाद और टोबैगो द्वारा चगुआरामस संधि** पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।

//

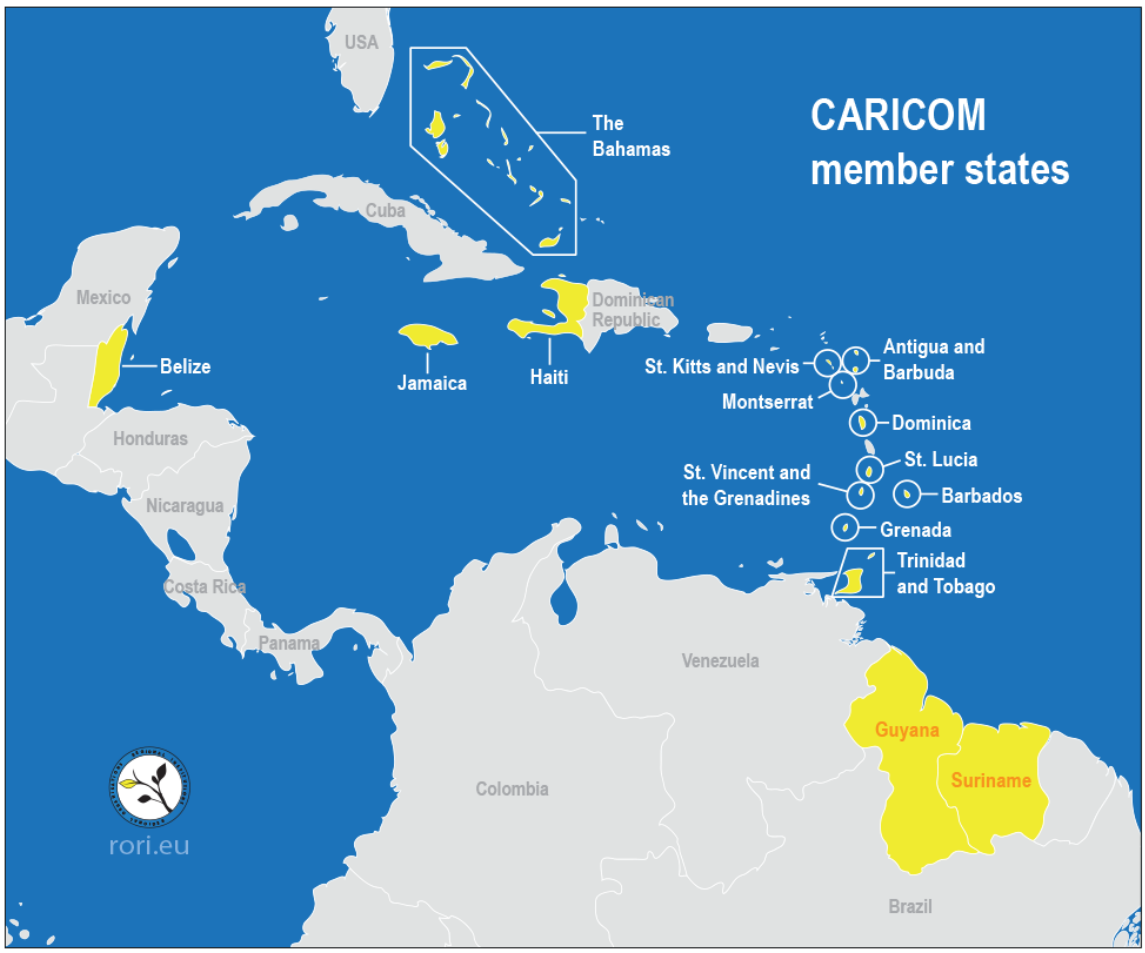


- **विविधता: यह समुदाय अफ्रीकी, भारतीय, यूरोपीय, चीनी, पुर्तगाली और स्वदेशी** पृष्ठभूमि के लोगों से बना है।
  - **जनसंख्या:** वहाँ लगभग 16 मिलियन लोग रहते हैं और उनमें से 60% लोग 30 वर्ष से कम आयु के हैं।
  - **भाषाएँ:** यह क्षेत्र बहुभाषी है, जिसमें **अंग्रेज़ी मुख्य भाषा है,** इसके अलावा **फ्रेंच, डच** और विभिन्न अफ्रीकी एवं एशियाई भाषाएँ भी बोली जाती हैं।
- **भौगोलिक विस्तार:** सदस्य देश उत्तर में **बहामास से लेकर** दक्षिण में **सूरीनाम और गुयाना तक फैले हुए हैं, जिससे यह आर्थिक एवं सामाजिक विकास के विभिन्न स्तरों वाला एक विशाल एवं विविध क्षेत्र बन गया है।**
  - वे मुख्यतः **कैरेबियन सागर (अटलांटिक महासागर) में स्थित हैं।**

- **कैरिकॉम के एकीकरण के स्तंभ: कैरिकॉम का एकीकरण चार मुख्य स्तंभों** पर आधारित है, जो समुदाय के उद्देश्यों का मार्गदर्शन करते हैं:
    - **आर्थिक एकीकरण: व्यापार और उत्पादकता** के माध्यम से विकास एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना।
    - **विदेश नीति समन्वय:** अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में **एकीकृत आवाज** प्रस्तुत करना।
    - **मानव एवं सामाजिक विकास: स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीबी** उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करना।
    - **सुरक्षा:** क्षेत्रीय **सुरक्षा, आपदा प्रतिक्रिया** और अपराध रोकथाम को मज़बूत करना।

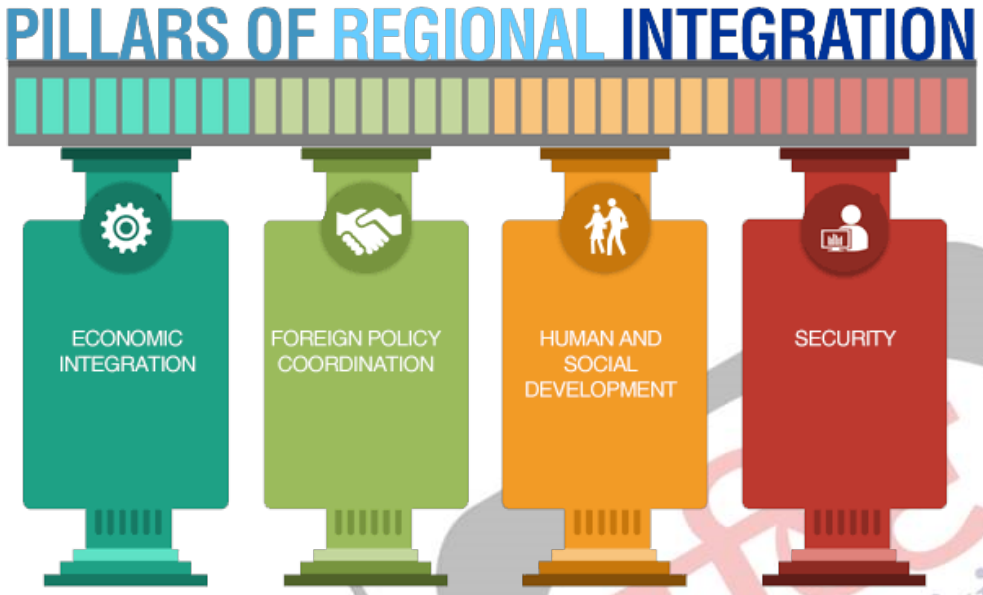


## भारत-कैरिकॉम संबंध

- **नवंबर 2003** में एक कैरिकॉम प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया, जिसके परिणामस्वरूप एक **स्थायी संयुक्त आयोग** की स्थापना हुई।
    - जॉर्जटाउन (गुयाना की राजधानी) में भारत के उच्चायुक्त को **कैरीकॉम का राजदूत** भी नियुक्त किया गया है, जो क्षेत्रीय सहयोग के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की पहली बैठक (2005)** ने **निकट सहयोग, विशेष रूप से व्यापार और कैरेबियाई विकास बैंक** के माध्यम से विकास परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों में, के लिये आधार तैयार किया।
- **प्रथम भारत-कैरिकॉम संयुक्त आयोग (2015)** की बैठक जॉर्जटाउन में आयोजित की गई, जिसके परिणामस्वरूप भारत और कैरिकॉम देशों के बीच **व्यापारिक साझेदारी** को बढ़ावा मिला।
- **भारत-कैरिकॉम मंत्रिस्तरीय बैठकें** नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं, तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के दौरान उल्लेखनीय कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
- **मानवीय सहायता: वर्ष 2017** में, कैरेबियन सागर में तूफान के बाद, भारत ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिये भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी कोष के माध्यम से आपातकालीन सहायता और अतिरिक्त सहायता के रूप में **200,000 अमरीकी डालर** प्रदान किये।
- **भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन (2019) न्यूयॉर्क** में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें भारत ने **कैरिकॉम देशों** को समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।
    - **14 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान:** सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिये।
    - **150 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता:** विशेष रूप से सौर ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं के लिये।
    - **विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम:** कैरीकॉम देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप भारत ने विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रस्तुत किये।
- **भारत-कैरिकॉम टास्क फोर्स:** इसकी स्थापना चल रही पहलों को सुव्यवस्थित और उन्नत करके तथा भविष्य के लिये स्पष्ट रणनीतियाँ स्थापित करके **सहयोग को पुनर्जीवित** करने के लिये की गई थी।

## भारत और कैरिकॉम एक दूसरे के लिये क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

- **सामरिक विस्तार:** लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (LAC) क्षेत्र अपने **भू-राजनीतिक संबंधों** में विविधता ला रहा है तथा एशिया में नई साझेदारियाँ तलाश रहा है, जो इस **क्षेत्र** में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की **भारत की महत्वाकांक्षा** के अनुरूप है।

- **साझा जलवायु चिंताएँ:** भारत और कैरीकॉम को **जलवायु परिवर्तन** के प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें **समुद्र का बढ़ता स्तर** और चरम मौसम शामिल हैं।
    - भारत के COP-26 प्रयास, शमन और अनुकूलन के लिये **जलवायु वित्त पोषण हेतु CARICOM के आह्वान के अनुरूप** हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA):** भारत द्वारा सह-स्थापित **ISA, कैरीकॉम देशों** को सौर ऊर्जा तैनाती बढ़ाने के लिये एक मंच प्रदान करता है।
    - इसके अतिरिक्त, [एक विश्व एक सूर्य एक ग्रिड (OWOSOG)](#) पहल एक **वैश्विक ग्रिड** बनाने के लिये एक अभिनव दृष्टिकोण है जो **महाद्वीपों के पार सौर ऊर्जा संचारित** कर सकता है।
- **डिजिटल स्वास्थ्य सहयोग:** [CoWin](#) **और** [राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM)](#) जैसी भारत की डिजिटल स्वास्थ्य प्रगति, कैरीकॉम में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में सुधार के लिये एक मॉडल पेश करती है, विशेष रूप से **जलवायु-प्रेरित स्वास्थ्य खतरों के लिये।**
- **जैव ईंधन और ऊर्जा सहयोग:** जैव ईंधन अनुसंधान में ब्राज़ील के साथ भारत का सहयोग **कैरिकॉम देशों** तक बढ़ाया जा सकता है, जिससे संयुक्त ऊर्जा समाधान और जैव ईंधन उत्पादन के लिये एक मंच तैयार हो सकेगा।
- **मज़बूत साझेदारी:** भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा और भारत के चल रहे विकास सहायताकार्यक्रम, जैसे कि**कैरीकॉम विकास कोष में 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान,** भविष्य के सहयोग के लिये एक मज़बूत आधारशिला रखते हैं।

## निष्कर्ष;

**दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन** ने **द्विपक्षीय संबंधों** को गहरा करने में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया, जिसमें **नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक विकास** जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह सहयोग साझा चुनौतियों, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और सतत् विकास को संबोधित करने के लिये विशाल अवसर प्रदान करता है, जिससे **कैरेबियाई क्षेत्र** में भारत की भूमिका बढ़ जाती है।

***??????? ?????? ???????:***

**प्रश्न:** भारत-कैरिकॉम संबंधों की वर्तमान स्थिति तथा व्यापार, जलवायु परिवर्तन और लोगों के बीच संबंधों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करें?

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा के विगत वर्षों के प्रश्न

### ???????????

**प्रश्न: निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सही सुमेलित है?**

**भौगोलिक लक्षण प्रदेश**

(a) एबिसिनी पठार : अरब
(b) एटलस पर्वत : उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका
(c) गुयाना उच्चभूमि : दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका
(d) ओकावांगो द्रोणी : पैटागोनिया

**उत्तर: B**

---

### ??????

**प्रश्न: भारत से अन्य उपनिवेशों में ब्रिटिशों द्वारा गिरमिटिया मज़दूरों को क्यों ले जाया गया? क्या वे वहाँ अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित कर पाए? (2018)**

**प्रश्न: दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था एवं समाज में भारतीय प्रवासियों को एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस संदर्भ में, दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय प्रवासियों की भूमिका का मूल्यनिरूपण कीजिए। (2017)**